वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में आवास की कीमतों में सकारात्मक वृद्धि: रा.आ.बैंक

- ***प्रमुख महानगरों (यथा अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे) में संपत्ति की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई।***
- ***वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के दौरान 39 शहरों ने सूचकांकों में वृद्धि दर्ज की।***
- ***आकलन मूल्यों के आधार 50 शहरों ने समग्र एचपीआई में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 4.8% की वृद्धि दर्ज की।***

राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा जारी नवीनतम आवास मूल्य सूचकांक (एनएचबी रेजीडेक्स) वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के दौरान 39 शहरों में संपत्ति की कीमतों में वृद्धि को दर्शाता है।

बैंकों एवं आवास वित्त कंपनियों (एचपीआई@आकलन मूल्य) से एकत्रित संपत्तियों के आकलन मूल्यों के आधार पर 50 शहरों के एचपीआई ने वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही के दौरान 4.8% की वार्षिक वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) दर्ज की, जबकि एक वर्ष पूर्व यह 5.7% थी।

भारत के सात प्रमुख प्राथमिक आवासीय बाजारों में जुलाई - सितम्बर 2025 की अवधि के दौरान संपत्ति की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई। अहमदाबाद (6.0%), बेंगलुरु (11.3%), चेन्नई (6.7%), हैदराबाद (2.6%), कोलकाता (5.8%), मुंबई (4.8%) और पुणे (4.6%) ने राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा प्रकाशित आवास मूल्य सूचकांक के अनुसार वार्षिक आधार पर सूचकांक में वृद्धि दर्ज की।

एचपीआई@आकलन मूल्य में वार्षिक परिवर्तन वाले शहरों में 25.9% (गुरुग्राम) की वृद्धि से लेकर 7.9% (कोच्चि) की गिरावट, में व्यापक रूप से भिन्न है।

कवर किए गए 50 शहरों में से 11 शहरों में वार्षिक आधार पर संपत्ति की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। कोच्चि में सबसे अधिक 7.9% की गिरावट दर्ज की गई, इसके बाद रायपुर में 4.0% की गिरावट दर्ज की गई।

क्रमिक (तिमाही-दर-तिमाही) आधार पर, 50-शहरों के सूचकांक ने जुलाई - सितम्बर 2025 में 0.7% का विस्तार दर्ज किया। सूचकांक सितंबर - 21 से तिमाही-दर-तिमाही आधार पर एक बढ़ती प्रवृत्ति प्रदर्शित कर रहा है।

वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही के दौरान, ग्रेटर नोएडा (5.3%) और बेंगलुरु (4.5%) के लिए एचपीआई@आकलन मूल्यों में महत्वपूर्ण क्रमिक वृद्धि देखी गई है।

© National Housing Bank